अच्छी हिंदी

सेर्टिफिकट कोर्स पाठावली

Title

Achi Hindi Course book

Kerala State Literacy Mission Authority

Achi Hindi Course book **prepared by**

Dr. S R Jayasree
Assistant Professor
Dept of Hindi
Mahatma Gandhi College
Thiruvananthapuram

Dr. B Ashok
Assistant Professor (HOD)
Dept of Hindi
University College Thiruvananthapuram

Dr. Nandakumar C
HSST, St. Joseph HSS Thiruvananthapuram

Dr. Nisha M, HSST
GHSS Neyyardam Thiruvananthapuram

Dr. Geetha S
HSST
GHSS Kanyakulangara, Thiruvananthapuram

Aneesh R
Research Scholar
Dept of Hindi
Kariavattam Campus
University of kerala

Dr. J Vijayamma
Asst. Director
Kerala State Literacy Mission Authority

Published on
24th January 2018

Chief Editor
Dr. P S Sreekala
Director, Kerala State Literacy Mission Authority

Co- ordinator
E V Anil

Copyright: Kerala State Literacy Mission Authority

Published by

KERALA STATE LITERACY MISSION AUTHORITY
TC No: 27/1461, Kammattom Lane, Convent Road
Vanchiyoor, Thiruvananthapuram-35
Phone: 0471-2472253, 2472254

Cover Design Renjith Puthenchira

निदेशक का संदेश

औपचारिक शिक्षा में त्रिभाषा सूत्र का सख्त पालन करनेवाला राज्य है केरल। प्राथमिक कक्षाओं से लेकर हम मलयालम, अंग्रेज़ी, हिंदी भाषाओं का अध्ययन करते हैं। लेकिन स्कूली शिक्षा के उपरांत इन भाषाओं के प्रायोगिक कार्यान्वयन में हम पीछे रह जाते हैं। मातृभाषा के साथ विश्वभाषा के रूप में अंग्रेज़ी और देश की भाषा के रूप में हिंदी का बेहत्तर प्रयोग अनिवार्य है। साक्षरता मिशन के तत्वाधान में इन तीनों भाषाओं में सर्टिफिकेट कोर्स शुरु करने का उद्देश्य यही है।

भाषा केवल आशय विनिमय का माध्यम नहीं। भाषा के ज़रिए संस्कृति का आदान-प्रदान होता है। भाषा संस्कृति ही है। इससे ही हम भिन्न-भिन्न संस्कृति और संसार की जानकारी प्राप्त करते हैं। मैं आशा करती हूँ कि 'अच्छी हिंदी' कोर्स अध्येताओं को बहुविध भारतीय संस्कृति की आत्मा तक पहुँचने का वातायन बन जाएगा। अच्छी हिंदी का प्रयोग करने की क्षमता भी प्राप्त करेंगे।

शुभकामनाएँ

डॉ.पी एस श्रीकला
निदेशक
साक्षरता मिशन

दो शब्द

प्रिय साथी,

शिक्षा निरंतर चलनेवाली एक प्रक्रिया है। शिक्षा के दो मुख्य पहलू हैं- पहला ज्ञान पाना और दूसरा प्राप्त ज्ञान से जीवन को बहत्तर बना देना। औपचारिक शिक्षा स्कूली स्तर से शुरू हो जाती है। परंतु कई कारणों से कई व्यक्ति औपचारिक शिक्षा से वंचित हो जाते हैं। कभी कभी औपचारिक शिक्षा संस्थाओं से प्राप्त ज्ञान प्रायोगिकता की कमी के कारण अध्येता को वांछित स्तर तक पहुँचने से रोक देता है। इन कमियों को हल करने में साक्षरता मिशन कर्मरत है। इसकी एक महत्वपूर्ण कड़ी है 'अच्छी हिंदी'। हिंदी भारत की राजभाषा है और बावन करोड़ लोगों के व्यवहार की भाषा है। पूरे देश को गूँथनेवाली इस बेजोड़ भाषा का मीठापन मलयालम मातृभाषी को भी प्रदान करने की कोशिश का मूर्त रूप है 'अच्छी हिंदी'। व्यावहारिक तौर पर प्रकाशित होनेवाले अन्य सभी हिंदी किताबों से भिन्नता बरतनेवाली इस पुस्तिका का मीठापन बेशक भाषा पर अधिकार पाने में आपको मदद देगा।

शुभकामनाओं के साथ.....

अनुक्रमणिका

1.	मौसम	6-7
2.	केरल की शान	8-10
3.	हमारी हिंदी	11-14
4.	रसोईघर	15-17
5.	मंडी चलें	18-20
6.	दोस्ती	21-23
7.	पूछ लीजिए ज्ञान...	24-26
8.	मिलाप	27-29
9.	जल ही जान	30-31
10.	सफर	32-34
11.	डाकघर की ओर	35-37
12.	मित्रों के साथ	38-39
13.	रेलवे स्टेशन की ओर	40-41
14.	रेल के डिब्बे में	42-45
15.	सिनेमा...सिनेमा	46-48
16.	भीड में अकेली	49-52
17.	बैंक की ओर	53-57
18.	तीसरी ताली	58-61
19.	मान-सम्मान	62-63
20.	सफरनामा	64-65

पाठ एक

मौसम

बरसो रे मेघा-मेघा

बरसो रे मेघा बरसे।

बरसो रे मेघा-मेघा

बारिश का बोसा है।

बेटीः मैं भीग गई पापा। कैसी बारिश है?

पिताः तू ने छतरी नहीं ली?

बेटीः सबेरे बारिश नहीं थी।

पिताः हाँ बेटी, केरल का मौसम अच्छा है।

गर्मी अधिक नहीं, सर्दी भी अधिक नहीं।

ऋतुएँ चार हैं - वसंत, ग्रीष्म, शरद, हेमंत।

वसंत ऋतु ऋतुओं का राजा है।

केरल में आम तौर पर तीन ऋतुएँ होती हैं। गर्मी, वर्षा और सर्दी। लेकिन ओणम वसंत ऋतु की पहचान है। ओणम फूलों के दिन हैं। घर-घर के आँगन में 'पूक्कलम' लगाया जाता है।

रंग बिरंगे प्यारे फूल

वसंत ऋतु में खिलते फूल

ग्रीष्म आता गर्मी आती

बारिश आती गर्मी जाती

पूरा करके बताएँ

वसंत में फूल खिलते है ।

_____में गर्मी अधिक है ।

_____में पत्ते झड़ते है ।

_____में ठंड अधिक हैं ।

अक्षर पहचानें, लिखें

गरमी	किसान	गमला	मकान	भिंडी
रात	सिनेमा	गाय	कमल	भालू
सरस	सर्दी	गुस्सा	मुस्कान	भात

र	स	ग	म	भ

किसी एक वर्षा गीत की प्रस्तुति करें

पाठ दो

केरल की शान

यह आम कितने रुपए का है ?	किलो पचास रुपए।

आम मीठा है।

आम का फल रसीला है।

आम फलों का राजा है।

यह नारियल किलो कितना है?	चालीस

नारियल का पेड़ बहुत लंबा है।

नारियल से तेल मिलता है।

नारियल केरल की शान है।

ऐसा कहा जाता है, केरल शब्द की उत्पत्ति 'केरम्' से हुई है। केरम् नारियल का संस्कृत शब्द है।

केरल – केरम्

पहचानें

अनीष : तुम कहाँ <u>जा रही हो</u> ?

वीणा : मैं बाज़ार <u>जा रही हूँ</u> ।

अक्षर पहचानें, लिखें।

उल्लू	**अ**नार	**आ**ग	**ना**रियल	**त**रबूज
उसका	**अ**खबार	**आ**वाज़	अ**न**न्नास	सं**त**रा
उभरना	**अ**मरूद	**आ**दमी	ती**न**	**त**ितली

उ	अ	आ	म	त

लिखें ...पढें

वह + का - उसका

वह + की - उसकी

वह + के - उसके

यह + का -.....

यह + की -.....

यह + के –.....

पढें

मैं + का = मेरा

मैं + की = मेरी

मैं + के = मेरे

लिखें ...पढें

स	सा
क	का
ग	____
म	____
भ	____
न	____
त	____

स	सु	सू
च	चु	चू
ग	_	_
म	_	_
भ	_	_
न	_	_
त	_	_

कि – की

गि – गी

मि –

भि –

नि –

ति –

बताएँ.....

केला मीठा है।

केला.....।

.....।

पाठ तीन

हमारी हिंदी

जय हिंद, जय हिंदी
सितंबर 14 हिंदी दिवस

हमारी भाषा हिंदी।

भारत की भाषा हिंदी।

राष्ट्र की भाषा हिंदी।

हमारी राजभाषा हिंदी।

सरल भाषा हिंदी।

पढ़ सकते हैं लिख सकते हैं।

आसानी से हिंदी भाषा।

हिंदी मातृभाषी क्षेत्र
दिल्ली
उत्तरप्रदेश
छत्तीसगढ़
हरियाना
हिमाचल प्रदेश
झारखंड
उत्तराखंड
मध्यप्रदेश

पढें...पूरा करें

अनिष्माः यार, मैं एक यात्रा की तैयारी में हूँ।

अक्षयः.....

अनिष्माः भोपाल जाती हूँ।

अक्षयः भोपाल! क्या तुझे हिन्दी मालूम है ?

अनिष्माः.....

अक्षयः हाँ, इसकी ज़रूरत है।

अनिष्माः मुझे मालूम है हिन्दी वहाँ की मातृभाषा है।

अक्षयः और भी कितने राज्यों में हिन्दी मातृभाषा है? जानती हो ?

अनिष्माः...

अक्षयः...

अनिष्माः...

अक्षयः..

अक्षर पहचानें, लिखें

ऊन	**ट**माटर	**ठ**ठेरा	**ड**मरु	**इ**मली	**ई**ख
ऊँट	**टि**कट	लाठी	सूँ**ड़**	**इ**मारत	**ई**श्वर
गूँज	छो**टा**	आ**ठ**	डं**डा**	**इ**क्कीस	क**ई**
ऊर्जा	**टो**पी	पी**ठ**	**डा**किया	**इ**लाज	तेई**स**

ऊ	**ट**	**ठ**	**ड**	**इ**	**ई**	**ङ**

मात्रा	ू	ि	ी
र	रू	रि	री
स	सू	सि	सी
ग	___	___	___

म	____	____	____
भ	____	____	____
न	____	____	____
त	____	____	____
ट	____	____	____
ठ	____	____	____
ड	____	____	____

अपनी मातृभाषा का शब्द बताएँ ...लिखें

मक्खन	चना
काजू	मूँगफली
घी	शहद
मक्का	दूध
दही	सरसों
तेल	चीनी
दाल	तिल
चावल	तरकारी
गेहूँ	

पढें...पूरा करें

वे + का = उनका

वे + की = ____

वे + के = ____

ये + का = इनका

ये + की = ____

ये + के = ____

मैं + का = मेरा

मैं + की = ____

मैं + के = ____

पाठ चार

रसोईघर

घर-घर में रसोई।

रसोई में काम है।

पकाते हैं रोटी, बाप।

माँ काटती सब्जियाँ।

साफ करते बेटा-बेटी।

घर का भोजन कितना अच्छा!!

मिलजुलकर पकाते हैं

खाते भी हैं मिलजुलकर।

स्वस्थ भोजन - स्वस्थ परिवार - स्वस्थ समाज

वन	**ब**करी	**क**टहल	**प**ानी	भा**ष**ा
वतन	**ब**ंदर	**क**रेला	**प**तंग	आ**ष**ाढ़
वर्षा	**ब**गुला	**क**कडी	**पे**ड़	व**र्षा**

व	**ब**	**क**	**प**	**ष**

पढें... लिखें

मैं		- मेरा
तू	-	
हम	-	हमारा
तुम	-	

पढ़ें

लडका स्कूल जाता है।

लडकी स्कूल <u>जाती है</u> ।

लडकियाँ <u>जाती</u> हैं।

लडके <u>जाते हैं</u>।

पूरा करें

लड़का फुटबॉल खेलता है।

लड़की .....

लड़के.....

लड़कियाँ

चर्चा करें : अपना परिवार

घरेलु चीज़ें

झाडू	ढक्कन
लोटा	ताला
बोतल	चटाई
चादर	दियासलाई
टोकरी	दर्पण
बाल्टी	सुई
मोमबत्ती	चुल्हा
कुरसी	तकिया
कंघी	थाली
चारपाई (खाट)	बर्तन
प्याला	रस्सी
छतरी	बोरा
चक्की	तिजोरी
सुराई	साबुन
चाभी	चम्मच
छडी	किश्ती
मेज़	बत्ती

इन शब्दों के मातृभाषा का शब्द बताएँ

कहाँ, कितने रुपए जोडकर वार्तालाप तैयार करें

बाल्टी मेरे पास है।	मेरे पास झाडू है, बाल्टी कहाँ

अरे बाल्टी कहाँ?

. . . . . .

. . . . . .

. . . . . .

पाठ पाँच

मंडी चलें

चलें चलें मंडी चलें,

सब्जी मंडी चलें,

थैली लेकर चलें

पैसे लेकर चलें

हाथ मिलाकर चलें

ककडी, करेला, गाजर, भिंडी....

शेखर : अरे ये सब्जियाँ ताज़ी है ?

दूकानदार : हाँ हाँ बिलकुल।

शेखर : सुना है, आज सब्जी में रसायन हैं।

दूकानदार : क्या करें? खेती तो हम नहीं करते हैं, फिर?

शेखर : ठीक है, हम आलसी बन गए हैं।

दूकानदार : सब्जी तमिल्नाडु से, चावल तो आन्ध्रा से, फूल तोवाला से...फिर खेती की क्या ज़रूरत है ?

शेखर : बिलकुल। आधा किलो करेला ले लो।

सब्जियाँ

करेला
बैंगन
बंद गोभी
पहाडी मिर्च
गाजर
फूलगोभी
मिर्च
ककडी
सहजनफली
कुकुरमुत्ता
भिंडी
प्याज
आलू
टमाटर
पालक

दूकानदारः ठीक है जी, यह ककडी अभी लायी है, डेढ़ किलो सिर्फ पचास।

शेखर : अच्छा ले लो

अक्षर पहचानें और लिखें।

छतरी	**ए**क	**ऐ**नक	**च**ार	**ज**हाज़
छत्तीस	**ए**कांकी	**ऐ**सा	**च**ालीस	**ज**ूता
छः	**ए**काएक	**ऐ**लान	**च**म्मच	**ज**नवरी

छ	**ए**	**ऐ**	**च**	**ज**

पढ़ें ... लिखें

स	से	सै
ग	गे	गै
म	____	____
भ	____	____
न	____	____
त	____	____
ड	____	____

'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इग्लिस्तानी

सर में लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी।'

किसान खेत जा रहा है।

औरतें मंडी चल रही हैं।

गीता पाठ पढ रही है।

पढ़ें ...पूरा करें

सामान्य वर्तमान काल	**तात्कालिक वर्तमान काल**
लडका स्कूल जाता है	लडका स्कूल जा रहा है
लडके.....	लडके.....
लडकी.....	लडकी.....
लडकियाँ	लडकियाँ .....

शब्दों को मिलाकर वाक्य लिखें

चल	पढ़ता	मैं	तुम	पुस्तक
हूँ	खेलते	रहा	हम	हॉकी
रहे	बच्चा	हैं	रही	हो

जैसे : मैं पुस्तक पढता हूँ ।

.....

.....

पाठ छः

दोस्ती

ये दोस्ती हम नहीं तोडेंगे,
तोडेंगे हम मगर
तेरा साथ न छोडेंगे।

मीना : वाह! कितना सुन्दर गाना है ?

तारा : यार, आज भी ताज़ा है।

मीना : आर. डी. बर्मन की कमाल है।

तारा : यार, हमारे बारे में हैं... दोस्ती के बारे में

मीना : अरे यार, चार बज गये। मुझे बाज़ार जाना है, तुम भी आओ न...

तारा : क्या खरीदना है?

मीना : कुछ घरेलू सामग्रियाँ। हम तो कल शहर जा रहे है न। किराए का घर है न सब कुछ खरीदना है।

☆ ☆ ☆

दूकानदार : आइए, क्या चाहिए?

मीना : यह कूडा-टोकरी का दाम?

दूकानदार : पचास रुपए।

तारा : कुछ कम कीजिए ना, हम दो लेंगे।

दूकानदार : दाम तो बिल्कुल सही है, फिर भी दो लेंगे तो नब्बे में देंगे।

मीना : तीन झाडू, दो बाल्टी, एक अच्छा ताला भी ले लो।

दूकानदार : देखें, यह ताला तो बढ़िया, दाम तो ज़रा ज़्यादा है, सौ रुपए है। साथ तीन चाबियाँ हैं।

तारा : कोई बात नहीं, ग्यारंटी है न?

दूकानदार : एक साल का है।

मीना : पाँच थालियाँ ,तीन चम्मच, एक बर्तन, एक सुराही

किन्हीं पाँच घरेलु वस्तुओं का नाम बताएँ, लिखें

____ ____ ____ ____ ____

अक्षर पहचानें और लिखें

यमुना	**था**न	मे**घ**	आ**धा**	**ओ**स
यह	**थै**ली	**घ**र	**धा**र	**ओ**खली
यार	हा**थी**	**घ**डी	**ध**न	**ओ**ज

य	**थ**	**घ**	**ध**	**ओ**

पढे और पहचानें

तेरी जान - तेरा ग़म
मेरी जान - मेरा ग़म
मेरा स्कूल - मेरी पुस्तक
मेरा बाप - मेरी माँ
उसका भाई - उसकी बहन

पढ़ें...लिखें

ल- लो लौ
ज- जो जौ
च- - -
क- - -
प- - -
व- - -

अपने एक मित्र के बारे में लिखें

. . . . . .

. . . . . .

. . . . . .

पाठ सात

पूछ लीजिए ज्ञान...

विभिन्नताओं का देश है भारत। यहाँ हिन्दु, मुसलमान, ईसाई, सिक्ख, जैन, बौद्ध सभी मिल-जुलकर रहते हैं। बहुभाषी है, अपनी-अपनी रीति-रिवाज़ है। लेकिन मानवता, समानता और सहिष्णुता ये गुण हर भारतीय के नस-नस में हैं। भारत के महापुरुषों ने उसको अपनी वाणी से सुदृढ किया है। लेखकों ने अपनी लेखनी की ताकत से भारत में एकता की आवाज़ सुनायी।

सुनो कबीरदास की वाणी

"जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिये ज्ञान,

मोल करो तरवार का, पडे रहने दो म्यान।"

कबीरदास ने अंधविश्वास, अनाचार, जाति-पांति, मूर्तिपूजा आदि का विरोध किया। मानव और समाज का विकास ज्ञान पर निर्मित है। मानव चाहे किसी भी धर्म या जाति का हो, ज्ञान है तो उचित आदर मिलेगा।

अक्षर पहचानें लिखें।

फल	कार**ण**	ते**ल**	**ढ**ाई	**द**ाल
फायदा	**ग**ण	करे**ला**	**ढ**क्कन	अमरु**द्**
फाटक	गु**ण**	चाव**ल**	प**ढ**	**द**स

फ	ण	ल	ढ	द

पठित अक्षरों को मिलाकर शब्द लिखिए।

जैसे - किरण, फूल, ……, ……, ……, ……

एक	1	छः	6
दो	2	सात	7
तीन	3	आठ	8
चार	4	नौ	9
पाँच	5	दस	10

पहचानें और लिखें।

कर – किया

सुन - सुना

देख - देखा

पी – पिया

चल – चला

सो - सोया

नाच - ....

पढ़ - .....

लिख - ....

खा - ......

पढ़ें ... समझें

सुदृढ किया है।

आवाज़ सुनायी।

विरोध किया।

गा - गाया
रो - .....
दौड - .....
छू - .....
समझ - .....
कह - .....

पाठभाग से भूतकालीन वाक्यों को छाँटकर लिखें।

____ ____ ____ ____

____ ____ ____ ____

समझें और लिखें

वह + का - उसका
यह + का -
वे + का - उनका
ये + का -

चर्चा करें

कबीरदास और नारयण गुरु

पाठ आठ

मिलाप

गाँधीनगर के अधिकांश लोग इतर राज्य के हैं, वे मज़दूर हैं। आज होली का दिन है। इधर के उनके दोस्त और परिवार उनके साथ है। वे मिल जुलकर होली मनाते हैं।

अमीर : अरे रवी, बेटी भी है! बहुत अच्छा सबका स्वागत।

आमी : मामाजी नमस्कार।

चमेलीः आइए दीदी, बहुत खुशी है!!!

राणी : अरे वाह! आपका घर रंगीला बन गया है।

चमेलीः जी, होली रंगों का उत्सव है न।

दादी : अरे बेटी, होली तो रंगों का ही नहीं, बुराई पर सच्चाई की विजय का पर्व भी है।

सब मिलजुलकर मिठाइयाँ खाते हैं। आपस में रंग छिटकते हैं, फुलझडियाँ और पटाखे जलाते हैं। घर में खुशी का माहौल है।

मुन्ना : अरे आमी तुझे याद है न ? कल टीचर ने कक्षा में एक कविता लिखकर आने को कहा, विषय भी दिया है- पेड का निवेदन।

आमी : मैं ने नहीं लिखा। क्या तू ने ?

मुन्ना : मैं ने लिखा । सुनो।

पेड का निवेदन

मत काटो मुझे

मत छाँटो मुझे

क्यों नहीं समझते

जब जब तुमने

मुझे छोडा है

प्रकृति का संतुलन बिगडा है।

नैतिकता और मनुष्यता समाप्त हुई।

दादाः वाह! बेटा बहुत अच्छा है। हम प्रकृति का सर्वनाश कर रहे हैं। तेरा यह पत्र एक चेतावनी है।

अक्षर पहचाने लिखें।

औरत	**झ**रना	**ख**रगोश	**श**हर	**श**हीद
औलाद	**झ**ूला	**ख**ीर	**श**लगम	**ह**ाथी
औसत	**झ**ाड़ू	**ख**ाट	**श**ब्द	**ह**ोली

औ	झ	ख	श	ह

शब्दों को चुनकर पाँच वाक्य लिखें।

मैं	चल	राधा	लिख
पढता	नाच	रहा	तुम
रही	वह	होंगे	आप
देखती	होगा	और	हैं
है	रहिम	गेंद	होंगे
पाठ	हूँ	खेल	होगी
जैसे	मैं	लिख	रही हूँ।

किसी एक त्येहार के बारे में पाँच वाक्य लिखें।

. . . . . .

. . . . . .

. . . . . .

. . . . . .

. . . . . .

पाठ नौ

जल ही जान

गाँव में एक ज्ञानी साधु आए। उनका भाषण सुनकर गाँववाले प्रभावित हुए। उनके सभी सवालों का जवाब साधू ने दिया। अंत में साधु ने पूछा- मेरे पास जल और सोना है। इनमें से आप लोगों को क्या चाहिए ? गाँववालों ने एकस्वर में कहा- सोना! सोना! साधु ने मुस्कराते हुए सोना दिया। गाँववाले संतुष्ट हुए। कुछ साल के बाद वही साधु उस गाँव में आ पहुँचे। गाँववालों के चेहरे देखकर साधु ने पूछा – क्या हुआ ? इतना निराश क्यों ? गाँववाले चुप रहे। ग्राम मुख्य ने धीमी आवाज़ में कहा- स्वामीजी माफ कीजिए। हमारी हालत बिगड गयी। खेती नहीं, अकाल ही अकाल! साधु ने मुस्कराते हुए कहा- यह तो मैं पहले जानता था। प्रकृति शोषण का बुरा असर है यह हालत। गाँववालों ने आश्चर्य से पूछा, प्रकृति का हमने क्या बिगाडा? साधु ने कहा - मनमानी ढंग से तुमने पेड काटा, जंगल को बरबाद किया और प्रकृति का संतुलन बिगाडा। तुमसे मेरा विनम्र निवेदन है कि पेड मत काटो जंगलों और जलस्त्रोतों का संरक्षण करो।

अक्षर पहचानें और लिखें

ऋषि	कक्षा	नक्षत्र	**ज्ञ**ान
ऋतु	पक्षी	चित्र	वि**ज्ञा**न
ऋण	पक्ष	सत्र	वि**ज्ञा**पन

ऋ	क्ष	त्र	ज्ञ

जल संरक्षण धरती का संरक्षण है।

चर्चा करें: जल है तो कल है।

सूचना

- मौसम बदल गया
- वर्षा की कमी
- पेड काटना

वार्तालाप की पूर्ति करें :

होरि : क्या करें, इस बार अनाज बहुत कम हो गया।

धनियाः हे राम! कैसे मिलें ? सूखा ही सूखा है।

होरीः वर्षा का नाम भी नहीं।

धनियाः.....

होरी.....

धनिया.....

होरी.....

विश्व जल दिवस मार्च 22

पाठ दस

सफर

माँ अखबार पढ रही हैं। परिवारवाले अपने - अपने काम में व्यस्त हैं।

माँ : बेटी पल्लवी, तू ने पढा यह नौकरी का विज्ञापन ?

लिपिक के पद केलिए है।

पल्लवी : मैं ने देखा, ज़रूर आवेदन दूँगी।

"अब खेती से कोई फायदा नहीं। तुझे यह नैकरी मिलें तो हम बच पायेंगे" - माँ ने कहा। यह सुनकर दादाजी को दुःख हुआ। उनका भरोसा अब भी खेती पर है।

दादाजी : खेती-बाडी से हमारी ज़िन्दगी नहीं चलेगी ? गाँव छोडकर इतना दूर क्यों जाना है ?

भाई : दादाजी, उनको जाने दो। आजकल दिल्ली उतना दूर नहीं। यात्रा केलिए बहुत सारी सुविधाएँ हैं। समय बर्बाद न करें।

मौसी : जल्दी अपना बयोडेटा तैयार करो।

"पंजीकरण करके भेजना है"- पिताजी ने याद दिलाइ।

पढ़ें

भूतकाल

मैं बैठा।

मैं चला।

मैं सोयी।

मैं दौडी।

मैं ने देखा।

बेटी ने देखा।

नौकर ने देखा।

भाई ने देखा।

बहन ने देखा।

रिश्ता

भाई – Brother
बहन – Sister
जीजा, बहनोई – Brother in Law
देवरानी, जेठानी – Sister in law
दामादा – Son in law
पतोडू - Daughter in law
भाभी – Sister
ससुर – Fathe in law
सास – Mother in law
दादा – Father's father
दादी – Father's mother
नाना – Mother's father
नानी – Mother's mother
जीजी – Elder sister
देवर – Husband's brother
साला – wife's brother/Sister' brother

जीवनवृत्त तैयार करें

नामः

आयु :

पताः

शैक्षिक योग्यताः

अनुभवः

पाठ ग्यारह

डाकघर की ओर

सुबह साढे नौ बजे। पल्लवी नौकरी के सपने में डूबकर चल रही है और रास्ते में अपने मित्र से मिला। उससे नौकरी के बारे में बैंतें की। लेकिन मित्र ने नौकरी केलिए द्दिल्ली जाने में रुची नहीं। पल्लवी ने सोचा, "क्या दिल्ली इतना दूर है। लडकियाँ नौकरी केलिए दूर जाने में क्यों हिचकती है? नौकरी मिले तो मैं तो ज़रूर जाऊँगी।" सोच सोचकर वह डाकघर पहुँची।

पल्लवी : जी डाक कब निकलेगी ?

कर्मचारी : दोपहर तीन बजे ।

पल्लवी : जी पंजीकरण का समय बीत गया है क्या ?

कर्मचारी : नहीं, दोपहर दो बजे तक।

पल्लवी : यह लिफाफा देखिए पंजीकरण का है।

कर्मचारी : ठीक है।

पल्लवी : कितने रुपए का डाक टिकट लगेगा ?

कर्मचारी : चालीस रुपए का

पल्लवी : यह कब दिल्ली पहुँचेगा?

कर्मचारी : आम तौर पर तीन दिन लगेगा।

पल्लवी : धन्यवाद।

डाकिया — Postman

पूछताछ - Enquiry

डाकपाल - Postmaster

डाकघर - Postoffice

मुहर- Seal

वायुडाक — Air mail

खाता - Account

अवधि जमा — Fixed Deposit

बीमा — Insurance

भर्ती करें

Money order form

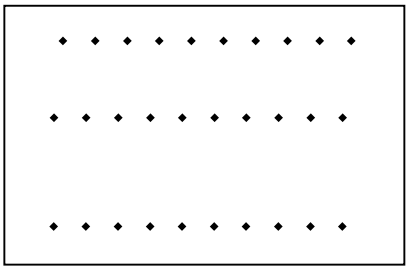

केरल भारत का एक राज्य है।

राजस्थान भारत का एक राज्य है।

केरल और राजस्थान भारत के राज्य हैं।

केरल, राजस्थान और पंचाब भारत के राज्य हैं।

का, के, की, का प्रयोग करें

वह रहीम - बेटा है।

शर्मिला गोपाल - माँ है।

राजु और रंजु जोसफ - बेटे हैं।

सरल - बाप दिल्ली में काम करते हैं।

आप - लडकी - नाम क्या है?

आवेदन पत्र तैयार करें

प्रेषक

.....

.....

सेवा में

.....

.....

आदरणीय.....

.....

.....

स्थान भवदीय

तारीख

हस्ताक्षर

पाठ बारह

मित्रों के साथ

शाम को पल्लवी अपने मित्रों के साथ पार्क में टहल रहीं है। उसके दोस्त जोसफ अपनी मोबईल में फेसबुक तथा वाट्सआप में अपने मित्रों के साथ बातें कर रहे हैं। पल्लवी ने कहा कि मेरी मोबैल में नेट सुविधा नहीं, मुझे एक मेल चेक करना था। जोसफ ने अपनी मोबाइल पल्लवी को दी। पल्लवी ने मेल खोल दी। उसका नियुक्ती- पत्र देखा। पल्लवी फूला न समायी। वह घर लौटी। खुश खबरी घरवालों से बाँटी गयी। पल्लवी दिल्ली के अपने दोस्त से मोबाइल पर बातें करती है।

पल्लवीः हलो कैलास तू किधर है?

कैलासः मैं अब दिल्ली में हूँ।

पल्लवीः अरे एक खुशखबरी है....

कैलासः .....

पल्लवीः .....

कैलासः .....

पल्लावीः .....

कैलासः .....

पल्लवीः धन्यवाद।

अपने मित्र की विनोदयात्रा के बारे में वाट्स आप द्वारा उससे बातचीत करें।

पाठ तेरह

रेलवे स्टेशन की ओर

पल्लवी की नियुक्ति दिल्ली के सचिवालय में हुई। जाने की सभी तैयारियाँ कर रही है। 5 नवंबर 2017 को उनको इधर से जाना है। आरक्षण करने केलिए पल्लवी कोल्लम रेवले स्टेशन पहुँची।

यात्रियो कृपया ध्यान दीजिए। कोल्लम से नई दिल्ली तक जानेवाली गाडी नं 12625 केरला एक्सप्रेस प्लाटफार्म नं तीन पर खडी है।

पल्लवी : जी दिल्ली जाने केलिए रविवार में कौन-सी गाडी है?

स्टेशन मास्टर : केरला एक्सप्रेस।

पल्लवी : रिसर्वेशन (Reservation)मिलेगा?

स्टेशन मास्टर : आरक्षण तो है लेकिन वेइटिंग लिस्ट में होगा। घबराने की कोई बात नहीं, 'तत्काल' में मिलने की सुविधा है।

पल्लवी : कितने रुपए होंगे।

स्टेशन मास्टर : 905 रुपए

(पल्लवी को प्रतीक्षा सूची में आरक्षण मिला)

पल्लवी : टिकट कनफेंम हो जाएगा?

स्टेशन मास्टर : पता नहीं।

पल्लवी : फिर क्या करूं?

स्टेशन मास्टर : तब तत्काल में देखें।

कल्पना करके लिखें

पल्लवी की उस दिन की डायरी लिखें।

तारीख...

.....

.....

.....

.....

.....

Reservation Form

रेलवे स्टेशन

Reservation Form - आरक्षण

Compartment - डिब्बा

Waiting room - प्रतीक्षालय

Waiting list - प्रतीक्षासूची

Sleeper - शयनयान

पाठ चौदह

रेल के डिब्बे में

पल्लवी केरल एक्सप्रेस के डिब्बे न. 8 में बैठी है। तीन दिन की यात्रा है। उस डिब्बे में बहुत सारे हिन्दी भाषी है। वह सोचती है मैं उनसे कैसे बात करूँ। वह उनको ध्यान से सुनती है। अपने बैग से 'अच्छी हिन्दी' की पुस्तक लेकर पढ़ती है। सामने एक बुजुर्ग और उनकी पत्नी बैठे हैं।

बुजुर्ग : बेटी कहाँ जा रही हो?

पल्लवी : दिल्ली

यात्री एक : दिल्ली में क्यों?

पल्लवी : नौकरी मिली।

यात्री दो : कहाँ?

पल्लवी : सचिवालय में।

यात्री तीन : होस्टल की सुविधा है क्या?

पल्लवी : चाँदनी चौक में मेरी मित्र है।

यात्री एक : ओल्ड ईज़ गोल्ड, उसी तरह चाँदनी चौक भी पुरानी दिल्ली का गोल्ड है।

यात्री दो : देश का सबसे प्रसिद्ध स्मारक और शान, लाल किला चाँदनी चौक के पास ही है।

यात्री तीन : मैं सरोजनी नगर में रहता हूँ, सफदरजंग एअर पोर्ट के पास है।

बुजुर्ग : बेर्टी क्या तू ने सुना है कोनाट प्लेस

पल्लवी : सिर्फ सुना है।

बुजुर्ग : यह दिल्ली के महत्वपूर्ण स्थान है। यह देश-विदेश से आनेवाले बिजनेस मेन और टूरिस्टों, दोनों ही केलिए मुख्य स्थान है।

(पल्लवी सोचती है मलयालम के बहुत सारे साहित्यकार, लेखक, पत्रकार आदि दिल्ली में है।)

यात्री चार : अरे जी, यह बिज़नेस प्लेस ही नहीं, दिल्ली एक साहित्यिक दुनिया भी है। हिंदी के अनेक साहित्यकार दिल्ली के हैं।

बुजुर्ग : ठीक है। मुझे सिर्फ प्रेमचंद का नाम ही याद हैं।

कोस-कोस पर बदलती वाणी...

कहाँ जाती हो?	काधे जाय रो है?
	कहाँ जाते होऊ?
	कहाँ जारी है?
	किधर जारे हो?
	का जाना छा?
	किध जाण लाग रा सै?
	किधे जा रहे हो?

पढ़ें...समझें

सक

मैं यह काम कर सकती हूँ।

रहमान आसानी से हिंदी बोल सकता है।

लडके तेज़ दौड सकते हैं।

लड़कियाँ नाच सकती हैं।

राजू तुम हिंदी कविता पढ़ सकते हो।

रहीम आज कक्षा में नही आ सका।

चुक

मैं वह कहानी पढ़ चुकी हूँ।

राणी खा चुकी।

रमेश सिनेमा देख चुका

लडके खेल चुके।

लग

रीना अच्छी तरह हिंदी बोलने लगी।

अध्यापक भाषण करने लगे।

लडकियाँ दौडने लगीं।

पत्र लिखें

आपने पल्लवी की यात्रा के बारे में पढी। आपकी किसी यात्रा पर एक पत्र तैयार करें।

पाठ पंद्रह

सिनेमा...सिनेमा

पल्लवी अपनी हिंदी कक्षा के बारे में सोचती है। प्रेमचंदजी की कहानी याद आयी। उनकी रचनाओं में चित्रित समस्याएँ आज भी भारतीय समाज में मौजूद है। यात्रा के बीच पल्लवी का परिचय रहीम से होती है जो फिल्मी क्षेत्र में मशहूर है।

रहीम : अरे सिनेमा देखने की आदत है क्या?

पल्लवी: फिर क्यों?

रहीम : कौन सी फिल्में

पल्लवी: सभी तरह की।

रहीम : किस भाषा की फिल्म अधिक पसंद करती है?

पल्लवी : मलयालम, हिंदी, तमिल, अंग्रेज़ी की।

रहीम : मैं आर्ट फिल्म ज़्यादा पसंद करता हूँ।

पल्लवी : क्या आपने देखी है 'शतरंज के खिलाड़ी' फिल्म?

रहीम : वाह, कितनी अच्छी फिल्म है! उस समय के दर्शकों ने इस फिल्म को सहर्ष स्वीकार किया।

पल्लवी : 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी मैं ने पढी है, इसका फिल्मी रूपांतरण है यह, वही नाम से।

रहीम : इस फिल्म का निर्देशन किया है सत्यजित राय।

पल्लवी : इसके प्रमुख पात्र मिर्जा और मीर है न?

रहीम : वे दोनों हैं। कहानी में मिर्जा और मीर शतरंज के खेल खेलते और लडते हैं और दोनों मरते हैं। लेकिन सिनेमा में दोनों खेलते रहते हैं।

पल्लवी : मुझे भी वह फिल्म देखने की इच्छा है।

रहीम : कोई मुसीबत नहीं, नेट में सेर्च करो, मिलेगी। पता है भारत में ही नहीं बल्कि इसके प्रदर्शन बर्लिन, लंदन, षिकागो आदि अंतार्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में हो चुके है।

प्रेमचंद

जन्म : 31 जुलाई 1880

रचना : गोदान,कर्मभूमि, रंगभूमि, सेवासदन ...

मत्यु : 8 अक्तूबर 1936

फिल्मी रूपांतरण

मिल

नवजीवन

रंगभूमि

सद्‌गति

शतरंज के खिलाडी

.....

मलयालम की कई रचनाओं का फिल्मी रूपांतरण हुआ है। चर्चा करें और आलेख तैयार करें।

प्रेमचंद की रचनाओं में चित्रित मुख्य समस्याएँ कौन-कौन सी है — चर्चा करें। (अध्यापक की मदद से)

पाठ सोलह

भीड में अकेली

शहर के चकाचौंध में पल्लवी चकित रह गयी। चारों और बडी भीड और चहल पहल! इतने लोग कहाँ से आये हैं यहाँ। देश के सभी लोग इधर हैं- मलयाली, पंजाबी, मद्रासी, कश्मीरी...। कई विदेशी भी हैं। सहेली ने कहा कि कॉल टाक्सी पकडकर घर पहुँचना है। पल्लवी ने कॉल टैक्सी बुक किया। पाँच मिनट के अंदर टैक्सी आएगी।

मैकूः नमस्ते मैडम, देरी हो गयी। क्षमा करें।

पल्लवी : नमस्ते, कोई बात नहीं। प्रीतविहार जाने में कितना समय लगेगा?

मैकू : आधा घंटा।

पल्लवीः ठीक है चलो, मैं शहर में नयी हूँ।

मैकू : डरने की कोई बात नहीं, स्त्री केलिए बहुत सारे नियम हमारे देश में है न?

पल्लवीः जी, वह तो मैं जानती हूँ। यह तो बताइए राष्ट्रपति भवन और लाल किला कहाँ है?

मैकू : ये सब हमारे रास्ते पर ही है। जुमा मसजिद भी पास है।

पल्लवी : सुना है, सरोजिनी मार्कट में सब सस्ते में मिलेगा। सही है?

मैकू : बिलकुल, यहाँ और भी कई ऐसा मार्केट है लेकिन सब कहीं मोलतौल होता है।

पल्लवी : मतलब

मैकू : कम दाम में हम खरीद सकते है।

पल्लवी : और बारगेनिंग भी कर सकते हैं मैकू जी?

मैकू : खान मारकेट, पहलगंज मार्केट और चाँदनी चौक में भी सस्ता मिलेगा। यहाँ मोलतौल भी होता है।

पल्लवी : यह पहलगंज कहाँ है?

मैकू : नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के बिलकुल पास।

(एफ. एम रेडियो से एक हाइकू कविता आती है।)

चाँद पर आज

रखा कदम नारी ने

बढ़ता हौसला।

मैकू : सुनिए मैडम यह कविता आपके बारे में।

पल्लवीः क्या आपके विचार में आजकल स्त्रियाँ सुरक्षित हैं? लेकिन खबरें ऐसी नहीं।

मैकूः कुछ तो ज़रूर है, लेकिन यह शहर आपका स्वागत करता है, आप सुरक्षित है मैडम।... यही है प्रीत विहार।

पढ़ें

1¼- सवा

2 ¼ - सवा दो

3 ¼ - सवा तीन

4 ¼ - सवा चार

5¼ - सवा पाँच

½- आधा

1½- डेढ़

2 ½- ढाई

3½ - साढे तीन

4½ - साढे चार

5½ - साढे पाँच

6½ - साढे छः

7½ - साढे सात

¾ - पौन

1¾ - पौने दो

2¾ - पौने तीन

3¾ - पौने चार

4¾ - पौने पाँच

5¾ - पौने छः

0.1. दशमलव एक 2.7 - दशमलव दो सात

0.2 दशमलव दो

दुगुना

तिगुना

चौगुना

पंचगुना

भाषण तैयार करें।

विषयः ''स्त्री सुरक्षा और नियम'' ।

स्त्रीसुरक्षा नियम

महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडन (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013
घरेलु हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम 2005
स्त्री अशिष्ट रूपण (प्रतिषेध) अधिनियम, 1986

पाठ सत्रह

बैंक की ओर

पल्लवी अपने मित्र के साथ खाता खोलने केलिए बैंक पहुँची। पल्लवी को बैंक का वातावरण अच्छा लगा। वहाँ रखे नाम फलक देखकर वह 'पूछताछ' खिड़की की ओर गयी।

Brach Manager -शाखा प्रबंधक

पल्लवी	:	नमस्ते जी
क्लर्क	:	नमस्ते, मैं आपकी सेवा करूँ?
पल्लवी	:	जी, मुझे सेविंग्स एकौण्ड खोलना है।
क्लर्क	:	बचत खाता खोलने केलिए दो फोटो, आधार कार्ड, पान कार्ड आदि चाहिए।
पल्लवी	:	पान कार्ड तो मेरे पास नहीं। क्या वह ज़रूरी है?
क्लर्क	:	ज़रूरी है, लेकिन पान नंबर आपको याद है?
पल्लवी	:	जी, पान नंबर मेरे मोबाईल में है।
क्लर्क	:	यह फार्म भरकर दीजिए।
पल्लवी	:	तो आज ही एकौण्ड खोल कर सकें?

क्लर्क	:	बिलकुल
पल्लवी	:	ए. टी. एम. कार्ड आज ही मिलेगा?
क्लर्क	:	एक हफ्ते के अंदर आपको डाक द्वारा मिलेगा। यानी अगले मंगलवार तक मिल जाएगा
पल्लवी	:	पिन नंबर कैसे मिलेगा?
क्लर्क	:	ए. टी. एम. कार्ड मिलने के बाद पिन नंबर यहाँ से उपलब्ध होगा।
पल्लवी	:	धन्यवाद जी।

Accounts officer- लेखा अधिकारी

Savings Account -बचत खाता

Current Account — चालू खाता

रविवार, इतवार	-	Sunday
सोमवार	-	Monday
मंगलवार	-	Tuesday
बुधवार	-	Wednesday
गुरुवार	-	Thursday
शुक्रवार	-	Friday
शनिवार	-	Saturday

रोल प्ले (Role Play) द्वारा आप और बैंक मैनेजर के बीच का वार्तालाप प्रस्तुत करें।

- बैंक की सेवाएँ
- गृह निर्माण ऋण
- बीमा योजनाएँ
- मिनिमम बालन्स खाता
- ऑनलाइन बैंकिंग

Account – लेखा खाता

Amount – रकम

Account Savings – बचत खाता

Auditor – लेखा परीक्षक

Deposits – जमा

Demand Draft – मांग ड्राफ्ट

Instalment – किस्त

Investment – निवेश

Invoice – बीजक

Loan – ऋण

Pay in slip – जमा पर्ची

Recurring Deposit – आवर्ती जमा

Subsidy – आर्थिक सहायता

पढ़ें

एक बार एक विद्यार्थी ने पंडित नेहरू से 'आटोग्राफ' मांगा। पंडित जी ने अंग्रेज़ी में हस्ताक्षर करके उसे पुस्तिका लौटा दी। फिर विद्यार्थी ने पुस्तिका पर एक

शुभकामना संदेश लिखने केलिए प्रार्थना की तो चाचा नेहरू ने वह भी पूरी कर दी।

अंत में विद्यार्थी ने अनुरोध किया, 'कृपया इस पर तारीख भी डाल दें', जिसके जवाब में पंडित नेहरू ने वैसा ही करके पुस्तिका लौटा दी।

जब विद्यार्थी ने पुस्तिका देखी तो उस पर आटोग्राफ अंग्रेज़ी में शुभकामना संदेश हिंदी में और तारीख उर्दू में डाली हुई थी।

विद्यार्थी को आश्चर्यचकित देख, पंडित नेहरू ने समझाया, "तुमने पहले आटोग्राफ मांगा जो अंग्रेज़ी शब्द है, शुभकामना हिंदी शब्द है, अतः वो वाक्य हिंदी में लिखा। तारीख उर्दू शब्द है इसलिए उर्दू में लिखा। देखो बेटा, खिचडी भाषा बोलोगे तो उत्तर भी वैसा ही पाओगे।"

पूरा करें

- किसने पुस्तिका लौटा दी ?
- .....।
- .....?

किससे शुभकामना संदेश लिखने केलिए प्रार्थना की?

- ..... .।

.....?

.....।

.....?

.....।

पढें लिखें

अध्यापक से पाठ पढाया जाता है। अध्यापक से पाठ पढाया गया।

राम से रोटी खायी जाती है। राम से रोटी खायी गयी।

पाठ अठारह

तीसरी ताली

ताली सुनी, वह अजब सी है। पहली बार सुनती है वैसी ताली की आवाज़। देखा तो सामने खडे है दस बीस लोग, रंगीले वस्त्र और आभूषण पहने हैं। सब मौज मस्ती में। पल्लवी ने सोचा हमारा समाज दो वर्गों पर केंद्रित है, पुरुष और स्त्री। तीसरे के अस्तित्व को स्वीकार भी नहीं करते। भाषा में भी इनकेलिए कोई संज्ञा या विशेषण शब्द नहीं। एक साथ देखकर पल्लवी के मन में उनके उनके बारे में जानने की इच्छा जाग उठी।

पल्लवी : मैं पल्लवी। केरल की। आपका शुभ नाम?

(सब तालियाँ बजाती है, नाचती है)

एक : हम इधर के हैं।

दो : मैं द्रौपदी हूँ।

तीन : मैं शीतल हूँ।

पल्लवी : आप लोग कैसे हैं।

(ऊँची आवाज़ में हँसते हुए)

एक साथः हम ऐसे हैं।

(इनमें से एक आगे आकर पल्लवी से बातें करने केलिए तत्पर हो गई)

श्यामा : मैडम आप कैसी है।

पल्लवी : अप लोगों जैसी। अपने बारे में आप क्या सोचते है।

श्यामाः सबसे पहले यह कहना चाहती हूँ कि मैं और अपने दोस्त असाधारण जंडर (gender) के नहीं। मेरा नाम श्यामा। मैं भी केरल से हूँ। इधर हमारा एक सम्मेलन था। इसमें केरल की प्रतिनिधि के रूप में यहाँ आयी।

पल्लवी : मैं कभी भी ऐसा कहना नहीं चाहती। हमारे बीच में क्या फर्क है।

(पल्लवी की प्रतिक्रिया सुनते ही श्यामा दिल खोलने केलिए तैयार हो गयी)

श्यामा : बचपन से ही मेरे अंदर एक औरत बसती थी। जाने अनजाने कभी कभार उभरकर आने लगी। लेकिन परिवारवालों ने मेरे अंदर के नारित्व को दबाने की कोशिश की।

पल्लवी : आपकी शैक्षिक योग्यता के बारे में ज़रा बताइ न?

श्यामा : एम.ए तक पढी है। शिक्षा से मुझे प्रेरणा मिली कि मेरी दबी हुई चेतना को बाहर लाना है। इसलिए मुखौडा फाडकर जीना शुरु किया।

पल्लवीः वह अच्छी बात है। लेकिन परिवार और समाज की प्रतिक्रिया कैसी थी?

(उनकी विद्रोही भावना जाग उठी। उत्तर देने के लिए वे तैयार नहीं थीं)

पल्लवी : आपकी शैक्षणिक योग्यताओं और उपलब्धि पर ज़रा बताइए।

श्यामा : M A, MEd. , NET (Malayalam)

1. Anchor of the first transgender. Prime time show 'Marivil Pole Manasiger' which is aired in Mangalam channel.

2. First transgender scholarship winner in malayalam from the Government of Kerala

3. Vice President Queery them

पल्लवी : परिवार और दोस्तों से क्या प्रतिक्रिया मिल रही है?

परिवार में अब मैं और माँ ही हैं। माँ हमारे बारे में तथा ईश्वर का यह अजीब सृजन के बारे में वाकिफ है। लेकिन एक संपूर्ण स्वीकृति अब भी सुदूर है। क्योंकि हम हमेशा एक 'तथाकथित' समाज की बागडोर के अनुसार नाचना चाहते हैं, मेरी माँ भी।

मेरे पुरुष शरीर में स्त्री का भाव एवं अभिव्यक्ति के कारण मुझे उतना दोस्त तो नहीं। क्योंकि उनके नज़र में मैं एक नपुंसक हुँ। इलसिए वे मुझे छेडने-सताने केलिए अधिक तत्पर थे। लेकिन आज मुझे कई दोस्त है, जो मुझे अपने संपूर्ण व्यक्तित्व को स्वीकार करते है।

पल्लवी : हमेशा साथ-सगे रहनेवाले कोई मित्र है?

श्यामा : हाँ, ज़रूर। अपूर्वा मेरी सहेली है जो हमेशा मेरे साथ ही है।

प्रिजित्त भी है, जो क्वीरी का संस्थापक सचिव है। वे भी मुझे इतनी प्रेरणा देकर आगे बढने की शक्ति देते हैं। शायद प्रिजित्त ने मेरे कॉलज में ही अध्ययन किया था।

पल्लवी : केरल की सरकार आपकेलिए यानी आप लोगों की प्रगति केलिए क्या-क्या कदम उठाती है?

केरल सरकार को हम खुले दिल से आभार व्यक्त करते हैं। हमें हाशिएकृत जीवन से मुख्यधारा में लाने का प्रयास कर रही हैं। समूचे भारत में हमारे लिए पहली बार कुटुंबश्री का आयोजन तिरुवनंतपुरम जिले के कुन्नुकुषी वार्ड में श्रीगणेश किया गया है। ओणम के सिलसिले हमारे लिए एक मंच देने का वादा सरकार ने दिया है, यह हमारे लिए एक बडी खुशी की बात है। हमारी प्रगति एवं फले-फूले ज़िंदगी को सार्थक बनाने केलिए लगातार कडी मेहनत करनेवाली संस्था है साक्षरता मिशन। जो भी हो केरल की सरकार हमारे साथ ही है, वही हमारी शक्ति है।

किसी मनपसंद प्रसिद्ध व्यक्ति के साथ साक्षात्कार तैयार करें।

पाठ उन्नीस

मान-सम्मान

दशहरा का दिन है। सब कहीं उमंग भरी आवाज़।

बसो मोरे नैनन में.....

पल्लवी ने पूछा, अरे यार कौन-सा गीत है? किसका है? इसकी धुन कान में पडते ही भक्ति में विभोर हो जाते हैं!!!

सहेली : क्या तू ने नहीं सुना?! यह मीराबाई का 'भजन' है।

मीराबाई

जन्म : 1504

जन्म स्थानः जोधपुर में (चौकडी नामक गाँव)

रचनाएँ : गीता गोविंद टीका, राग गोविंद, राग सोरठ के पद

मृत्यु : 1557 द्वारका

मीराबाई मध्यकाल की लोकप्रिय कवयित्री है। उस समय सामंतवाद पनप रहा था। इसके विरुद्ध मीराबाई ने अपनी विद्रोही चेतना प्रकट की। उन्होंने अपने व्यक्तित्व और रचना दोनों से जाति-पाँति का विरोध किया। उच्च कुल के होकर भी जन-साधारण के बीच सतसंग करती थी, व्यवहार करती रहती थी। इसलिए मीरा को असाधारण लोकप्रियता मिली। आम जनता मीरा के गीतों में अपनी अनुभूतियों को पहचानती है। मीरा के नाम पर हज़ारों पद हैं। उसका धर्म विश्व धर्म है, मानव कल्याण है। सतीप्रथा का विरोध करते हुए सामाजिक रूढियों को प्रतिरोध किया।

मीरा की जीवनगाथा भारतीय स्त्री पर होनेवाले अत्याचारों की जीवंत करुण कथा है। इसलिए मीरा अब भी प्रासंगिक है।

मीरा भजन

बसो मोरे नैनन में नंदलाल।

मोहनी मूरति, साँवरि सूरती नैना वने विसाल।।

अधर सुधारस मुरली बाजति, उट वैजंती माल।

क्षुद्र घंटिका कटि-तट सोभित,

नूपुर शब्द रसाल

मीरा प्रभु संतन सुखदाई, भक्त बछल गोपाल।।

चर्चा करें

नारीः कल-आज-कल

- ❖ नारी का सम्मान।
- ❖ नारी शोषण।
- ❖ नारी पीडा।
- ❖ नारी चेतना।
- ❖ नारी सजगता।

प्रदत्त कार्य तैयार करें।

वर्तमान सामाजिक संदर्भ में महिलाओं की चुनौतियाँ।

पाठ बीस

सफरनामा

गर्मी की छुट्टियाँ आ गयी थीं। स्कूल दो माह केलिए बंद हो गया था। एक दिन मैं ने अपने इष्ट मित्रों से कोई रोचक यात्रा करने की बात शुरू कर दी। सबों ने अपना-अपना सुझाव दिया। मैं ने कौसानी नामक पहाडी गाँव की सैर करने की बात की। इसके लिए सभी राज़ी हो गए। एक सुनिश्चित दिन में हम चार मित्र कविवर पंत की जन्मस्थली कौसानी देखने गए। रेल और पैदल सफर करके हम लोग दिल्ली से सुबह निकलकर कौसानी पहुँच गये। हम लोगों ने देखा कि कौसानी बहुत टेढ़ा-मढ़ा ऊपर-नीचे बसा हुआ तंग गाँव है। हम लोगों ने देखा इस पर्वतीय क्षेत्र पर केवल पत्थरों का ही साम्राज्य है। कहीं-कही लघु आकार में खेतों के कुछ फसलें थोडी-बहुत हरीतिमा लिए हुई थी। उस पहाडी क्षेत्र में सैर केलिए बढ़ते हुए हम बहुत पतले और घुमावदार रास्ते पर ही जा रहे थे।

इस पर्वतीय क्षेत्र के निवासी हम को बडी ही हैरानी से देख रहे थे। वे बहुत सभ्य और सुशील थे। घूमते टहलते हुए हम लोग एक बाज़ार में पहुँचे। वहाँ हम लोगों ने जलपान किया। उस जलपान की खुशी यह थी कि दिल्ली और दूसरे मैदानी शहरों-गाँवों की अपेक्षा सभी सामान सस्ते और साफ-सुथरे थे। धीरे-धीरे शाम हो गयी। सूरज की डूबती किरणें सभी पर्वतीय अंग को अपनी लालिमा की चादर से ढक रही थी। रात होते-होते एक गहरी चुप्पी और उदासी छा गयी। सुबह उठते ही हम लोगों ने देखा कि वह सारा पर्वतीय स्थल बर्फ का कैद हो गया है। आसमान में रूई-सी वर्षा उड रही है। सूरज की आँखें उन्हें देर तक चमका रही थी। कुछ धूप निकलने पर हम वापस आ गये।

"मैं नहीं चाहता चिर सुख

मैं नहीं चाहता चिर दुख

सुख और दुख की आँख मिचौनी

खेल यह जीवन हो परिपूर्ण।"

सुमित्रानंदन पंत

पंत

सुमित्रानंदन पंत हिंदी के महान कवि है। उनका जन्म उत्तरखंड के अल्मोडा जिले के कौसानी नामक गाँव में हुआ। वे गाँधीवादी कवि थे। फिर वे अरविंद दर्शन में प्रभावित हो गये। 'चिदंबरा', काव्यसंग्रह केलिए 1968 के ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ। उनकी प्रमुख रचनाएँ है – 'ग्रंथी', 'गुंजन', 'युगांत', 'स्वर्ण किरण', 'पल्लव', 'कला और बूढा चाँद', 'लोकायतन' आदि। उनकी मृत्यु 1977 दिसंबर 28 को हुई।

किसी यात्रा का विवरण तैयार करें

सूचना

- ❖ स्थान
- ❖ महान व्यक्ति
- ❖ प्रमुख तीर्थ स्थान
- ❖ प्रकृति
- ❖ रीति-रिवाज़
- ❖ बाज़ार
- ❖ संस्थाएँ